अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद एक अनुसंधानात्मक अनुशीलन

डॉ. जार्ज जोसफ

सह प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, क्राइस्ट (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी),बेंगलुरु-29, कर्नाटक, भारत |

सारांश: अंग्रेज़ी साहित्य के इतिहास में अठारहवीं शताब्दी का समय अत्यंत अविस्मरणीय है क्योंकि वह समय 'रोमांटिसिज़्म' के रूप में प्रणीत एक सर्वथा नूतन तथा क्रांतिकारी साहित्यिक आंदोलन का समय था | यद्यपि यह आंदोलन युगीन परिस्थितियों के संघर्ष से उत्पन्न एक अनिवार्य साहित्यिक उपज है , फिर भी इसके मूल में मानव की जन्मजात स्वातंत्र्य प्रियता एवं स्वयं को प्रतिष्ठित करने की अदम्य इच्छा ही अन्तर्निहित है | रोमांटिसिज़्म शब्द की उत्पत्ति 'रोमांस' के रूप में एक भाषा-विशेष केलिए (बर्बर जातियों के आक्रमण से उत्पन्न खिचड़ी भाषा) प्रयुक्त शब्द के रूप में हुआ था | कालांतर में 'रोमांस' भाषा-विशेष से 'रोमांटिक' के रूप में विशेष साहित्य प्रकार की संज्ञा बनकर क्रमशः 'रोमांटिक आंदोलन' व 'रोमांटिसिज़्म' के रूप में अर्थ विस्तार पाते हुए आज साहित्य की रचना प्रक्रिया के एक शाश्वत या अनिवार्य तत्त्व के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है | 'रोमांटिसिज़्म' का हिन्दी पर्यायवाची शब्द है 'स्वच्छन्दतावाद' |

इस प्रकार 'रोमांस' जो प्रारम्भ में भाषा वर्ग का बोधक था , बाद में उस भाषा में रचित साहित्यिक कृति विशेषतः मध्यकालीन फ़्रांसिसी महाकाव्यात्मक रचनाओं का बोधक हो गया | अस्तु भाषा-विशेष के रूप में प्रयुक्त रोमांस ने धीरे-धीरे लोकप्रिय वीर काव्य (Epic) या विस्तार से प्रस्तुत की गयी कोई काल्पनिक तथा आश्चर्य जनक पद्य या गद्यमय कहानी को अभिव्यक्त करनेवाले शब्द के रूप में अर्थ विस्तार पाया | बाद में गद्य की लोकप्रियता के कारण रोमांस साहित्य कथा साहित्य केलिए सीमित हो गया | रोमांस साहित्य की लोकप्रियता के बढ़ते-बढ़ते इंग्लैंड ,फ्रांस ,जर्मनी आदि देशों के कलाकार भी रोमांस साहित्य की सृष्टि करने लगे और इस प्रकार रोमांस की प्रवृत्तियों को अधिक उत्कर्ष और कलात्मक रूप प्राप्त हुआ | तब रोमांस की प्रवृत्तियों से युक्त साहित्य को 'रोमांटिक' कहा गया | इस प्रकार 'रोमांटिक' शब्द 'रोमांस' शब्द का विकसित रूप है |

मूल शब्द : स्वच्छन्दतावाद, काल्पनिकता, उदारतावाद, परम्परावाद, मानवतावाद |

प्रस्तावना: अंग्रेज़ी में स्वच्छन्दतावाद केलिए 'रोमांटिसिज़्म' शब्द का प्रयोग किया जाता है | 'रोमांटिसिज़्म' के बारे में सुप्रसिद्ध रोमांटिक कवि और समीक्षक कॉलरिज कहता है - "रोमांस के लेखकों ने कल्पना के प्रभुत्व का निर्णय पर मुलम्मा किया है |"१ आगे बढ़कर वे लिखते हैं कि यद्यपि स्वच्छन्दतावाद में नियमित परंपरा, तर्क तथा बुद्धिका अनुसरण नहीं होता फिर भी अंत में वह ऐसा परिणाम निकालता है कि स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्तियों के अंदर एक प्रकार का मानसिक संतुलन होता है जिसके द्वारा वे साधारण अनुभव के धरातल से हवा में चढ़ना चाहते हैं |

हरफोर्ड ने स्वच्छन्दतावाद को काल्पनिक अनुभूति का एक असाधारण विकास के रूप में परिभाषित किया है | स्टोडार्ड कहते हैं कि स्वच्छन्दतावादिता का प्रमुख भाव स्वीकृति

नहीं अस्वीकृति है | प्रत्यक्ष को छोड़कर वह अप्रत्यक्ष कि जिज्ञासा करता है | वह निर्णित को त्यागकर गहन तत्व का अनुसन्धान करता है | स्वीकृत विधान के प्रति असंतोष में स्वच्छन्दतावादिता का जन्म होता है | वह निरंतर सजग होकर एक ऐसी नवीन व्यवस्था की खोज करता है जो पुरानी मान्य व्यवस्था का अतिक्रमण कर सके | अतः परम्परावादी कवि की तुलना में स्वच्छन्दतावादी कवि अनुपात संतुलन एवं परिष्कार के गुणों की न्यूनता लेकर आता है | रोमांटिसिज़्म शब्द का प्रयोग प्रथम बार मदाम दस्ते द्वारा उनकी पुस्तक “दि एलमेन” में उत्तर के साहित्य को दक्षिण के साहित्य से तथा व्यक्तिपरक से विषयपरक साहित्य की भिन्नता एवं विरोध को स्पष्ट करने के लिए हुआ | धीरे-धीरे रोमांटिसिज्म ने आलोचना के क्षेत्र में उतना ही महत्व और विवादास्पद रूप ग्रहण किया जितना कि साहित्य के इतिहास में रोमांटिक युग |

इस प्रकार अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद के अध्ययन से हमें स्वच्छन्दतावाद की व्यापकता के साथ-साथ उसकी विभिन्न विशेषताओं का बोध भी होता है | भावुकता, काल्पनिकता,प्रेम तत्व, सौंदर्य की ओर आकर्षण, मानवतावाद, प्रकृति चित्रण,सामाजिक आदर्शवाद,प्रगतिशीलता, विद्रोह की भावना आदि विभिन्न लक्षणों के साथ धर्म तक को स्वच्छन्दतावाद के साथ जोड़ा गया है |

अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद के विकास में १७वीं तथा १८वीं शताब्दी का समय काफी महत्वपूर्ण है | यूरोपीय स्वच्छन्दतावाद के प्रारंभिक बीजों को होमर के 'ओडेसी' में पाया जा सकता है | होमर ने 'ओडेसी और इलियड' के द्वारा सर्वप्रथम धर्म से पृथक काव्य की परंपरा को जन्म दिया |

१७वीं तथा १८वीं शताब्दी में प्रकृति विज्ञानं ,समाजशात्र, राजनीति और अर्थशास्त्र का विकास होने के कारण शास्त्रीय भावना के विरुद्ध प्रतिक्रिया हुई है जिसके फलस्वरूप सभी ललित कलाएँ शास्त्रीयता से मुक्त होने लगीं | इस प्रकार वैज्ञानिक प्रगति के साथ-साथ रूसो, वाल्टेयर मांटेस्क्यू आदि मनीषियों की विचारधारा का प्रभाव भी स्वच्छन्दतावाद के विकास केलिए महत्वपूर्ण रहा | इन्होंने यूरोप के सम्पूर्ण साहित्य में एक नवोन्मेष पैदा किया | वाल्टेयर ने अपने सत्साहित्य के द्वारा धार्मिक अन्याय एवं अत्याचार का तीव्र विरोध कर रूढ़ियों के विरुद्ध क्रांति उपस्थित कर दी |रूसो ने साहित्य की ही नहीं , बल्कि अन्य क्षेत्रों की सामाजिक मान्यताओं और परम्पराओं का विरोध कर व्यक्तिगत स्वतंत्रता की घोषणा की |

१८वीं शताब्दी में यूरोप में हुई कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ स्वच्छन्दतावाद के विकास में पूर्ण योगदान देती रहीं | इनमे फ्रांस की राज्य क्रांति, अमरीका का स्वातंत्र्य आंदोलन और औद्योगिक क्रांति प्रमुख हैं | यूनान, बेल्जियम,पोलेंड, इटली आदि देशों में नवपल्लवित राजनैतिक स्वातंत्र्य और सामाजिक

स्वतंत्रतावादी विचारों और इन क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों के कारण नाटक और उपन्यास के क्षेत्रों में रोमांसवाद की शुरुवात हुई | नेपोलियन युद्धों ने रोमांटिक राष्ट्रीयवाद को प्रोत्साहित किया और सम्पूर्ण यूरोप में स्थानीय भाषाओं की पुनः प्रतिष्ठा के प्रयास होने लगे |

पोपकालीन कविताओं में शास्त्रीय नियमों की अवहेलना अक्षम्य थी, आलोचना के मानदंड प्राचीन और गतानुगतिक थे |विषयवस्तु दरबारों, राजाओं और आचार्यों आदि से सम्बंधित थी,व्यक्तिगत स्वतंत्रता दम तोड़ रहीथी |

यूरोपीय साहित्य में क्लाज़िसम की तरह रोमांटिसिज़्म भी एक सम्पूर्ण वैचारिक आंदोलन है | जैसे क्लासिकी विचारणा प्राचीन यूनानी, रोमन सभ्यता का बोध कराती है, उसी तरह रोमानी आंदोलन मानव व्यक्तित्व के आधुनिक विद्रोह के एक चरण का संकेत करता है |

स्वच्छन्दतावाद को यूरोप में दो प्रमुख स्तरों पर संघर्ष करना पड़ा ;चर्च (धर्म)और राजतन्त्र (तानाशाही)| चर्च की कट्टरता के विरोध में यूरोपीय स्वच्छन्दतावादी चिंतन ने जिस उदारवादी धार्मिक पंथ की तलाश की, उसका प्रारंभिक रूप प्रोटेस्टेन्ट मत के उदय के रूप में पहचाना जा सकता है | चर्च और धर्म के ही क्रम में स्वच्छन्दतावाद ने राजनीतिक स्तर पर यह अनुभव किया कि राजाओं की सत्ता को प्रतिबंधित करना आवश्यक है, अन्यथा उसकी कट्टर तानाशाही के बंधन में व्यक्ति की स्वतंत्रता की इच्छा अभिव्यक्त होना अत्यंत दुर्भर है | नैतिकता सम्बन्धी अपने नए मूल्यों की प्रतिष्ठा केलिए प्राचीन रूढ़ियों से विद्रोह करना उसकेलिये अत्यंत आवश्यक था | आगे चलकर यूरोपीय स्वच्छन्दतावाद इतना व्यापक हो गया कि उसने अभिव्यक्ति के सभी माध्यमों को प्रभावित किया |

जर्मनी और फ्रांस में स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्तियों का विकास इंग्लैंड से पहले आरम्भ हुआ | क्लाप स्टॉक(Klop Stock), वीलेंड(Weiland) ,लेसिंग(Lessing) आदि जर्मन विद्वानों ने फ्रांस की शास्त्रीय भावना का सम्मान किया है | अब वे अंग्रेज़ी के शेकस्पीयर, मिल्टन आदि का अध्ययन करने लगे और उनकी भांति वे भी राष्ट्रीय रचनाओं के निर्माण में रूचि प्रकट करने लगे | क्लाप स्टॉक ने 'ऑड्स' शीर्षक काव्य में मानवतावाद, वैयक्तिकता और सौंदर्य के प्रति आकर्षण का चित्रण किया है | वीलेंड की स्वच्छन्दतावादी रचना है 'ओबेरन' | लेसिंग ने अपनी रचनाओं के द्वारा अपने देश की बौद्धिक भावना को विकसित करने का प्रयत्न किया है | 'मिन्न वॉन बारनहेल्म'(Minna Von Barnhelm) और 'एमिलिया गलोटी'(Emilia Galotti) उनके राष्ट्रीय और रोमांटिक प्रकार के नाटक थे |

फ्रांस अपने देश की क्रांति के कारण स्वच्छन्दतावादी रचनाओं की दौड़ में जर्मनी और इंग्लैंड से पिछड़ा गया | राजनीतिक उत्थान-पतन के आंदोलनों के कारण फ्रांस में स्वच्छन्दतावादी प्रतिभाओं की रचनाओं की रचनात्मक अभिवक्ति की प्रक्रिया चलते रहने पर

भी नवक्लासिकी प्रवृत्तियाँ ही पर्याप्त समय तक चलती रहीं | शेतांबरियाम,मदाम दस्ते और विक्टर ह्यूगो फ्रांसीसी स्वच्छन्दतावाद के प्रमुख कलाकार थे

रूस की स्वच्छन्दतावादी धारा जर्मनी और इंग्लैंड स्वच्छन्दतावाद से प्रभावित है |१८१५ ई. के बाद ही रूस में स्वच्छन्दतावादी धारा का प्रवाह शुरू हुआ | पुश्किन ज़ार, अलेक्सांडर प्रथम,गोगल आदि रूस के प्रमुख स्वच्छन्दतावादी कवि थे | रुसी गीत लेखक चाहकोवस्की को भी स्वच्छन्दतावादी कलाकारों की श्रेणी में गिना जाता है | इंगलैंड में स्वच्छन्दतावादी प्रवृत्तियों के विकास केलिए काफी अवसर प्राप्त हुआ क्योंकि फ्रांस की तुलना में इंगलैंड का वातावरण कम आंदोलित था |

अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद के विकास क्रम में वड्सवर्थ का नाम अग्रगण्य है | स्वच्छन्दतावादी युग के प्रथम सोपान के प्रमुख प्रवर्तक थे वड्सवर्थ | उनकी 'दि लिरिकल बैलर्डस(The lyrical Ballards) के द्वितीय संस्करण की भूमिका स्वच्छन्दतावादी काव्यान्दोलन का घोषणा-पत्र मन जाता है ;क्योंकि उसमे निहित सिद्धांतों ने नव्य शास्त्रीयवाद से सम्बन्ध तोड़कर एक नवीन मार्ग को ग्रहण किया और प्रचलित काव्य शैली को तिरस्कृत कर गद्य-भाषा और छंदोबद्ध रचना में कोई अंतर नहीं माना तथा कविता की भाषा एवं जनसाधारण की भाषा को एक ही रूप में स्वीकार किया | वड्सवर्थ के उपर्युक्त विचारों ने अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद की पहली पीढ़ी के रचनाकारों ने स्वच्छन्दतावाद की एक समर्थ बुनियाद का निर्माण कर आगामी स्वच्छन्दतावाद के लिए मार्ग प्रशस्त किया |

वड्सवर्थ,कॉलरिज आदि के द्वारा निर्मित सशक्त बुनियाद के आधार पर शेली, बायरन,कीट्स जैसे द्वितीय सोपान के रचनाकारों ने स्वच्छन्दतावाद के एक सुन्दर और सुदृढ़ महल का निर्माण किया | अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद ने मानव को अपने सृजन का मुख्य आधार बनाकर अपनी जो यात्रा आरम्भ की, इन विद्रोही कलाकारों ने उसे और तेजोमय बनाया | अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद के इस प्रवाह के समय औद्योगिक क्रांति का व्यापक प्रभाव जान मानस की चिंतन धारा को बदल रहा था और विक्टोरियन युग का पहला दौर शुरू हुआ था |

निष्कर्ष :

अंग्रेज़ी स्वच्छन्दतावाद के अध्ययन करने से यह स्पष्ट हो जाती है कि यहाँ की स्वच्छन्दतावादी भावनाएँ उन्नीसवीं शती के सातवें दशक के अंत तक जीवित रहीं | हेनीसन, ब्राउनिंग, मैथ्यू आर्नोल्ड आदि में रूमानी वृत्तियों का ही विकास हुआ था यद्यपि उनका स्वरुप कुछ अलग था | शेली, बायरन व कीट्स के काव्य में अपने शीर्ष पर पहुँचा हुआ यह काव्य आंदोलन विक्टोरिया युग में अपने शेष कणों को बिखरते हुए इस प्रकार बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक तक जीवित रहा |

सन्दर्भ:

१. आन एक्स्ट्रा -आर्डिनरी डेवलपमेंट ऑफ़ इमैजिनेटिव सेंसिबिलिटी – हेरफोर्ड

२. आन इंट्रोडक्शन टु दी पोएट्री ऑफ़ रोमांटिक रिवाइवल – स्टोडार्ड

३. दी डिक्लाइन एंड फॉल ऑफ़ रोमांटिक आइडियल – एफ. एल. लूकस

४. दी वर्ड रोमांटिक ईस डिरिवेड फ्रॉम दी ओल्ड रोमांटिक और रोमांस लैंग्वेजेज - इनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ अमेरिकाना, वॉल्यूम -२३.

५. ए कन्साइस सर्वे ऑफ़ फ्रेंच लिटरेचर – जर्मन मानसन

६. आन इंट्रोडक्शन टु इंग्लिश रोमांटिक पोएट्री – डॉ. रामविलास शर्मा

७. इंग्लिश रोमांटिक पोएट्री & प्रोस – रस्सल नोएस

८. दी रोमांटिक इमेजिनेशन – सी. एम्. बौरा – के.के. शर्मा

९. शुद्ध कविता की खोज - रामधारीसिंह दिनकर

१०. रोमांटिक साहित्य शाश्त्र की भूमिका - देवराज उपाध्याय